केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 182 शनिवार 25 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अजय अध्यक्ष दिनेश मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिवहर्ष उपाध्यक्ष किसान इंटर कॉलेज के सभागार में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। निर्विरोध चुनाव में अजय प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष, दिनेश कुमार यादव जिलामंत्री व शिवशंकर कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रक्रिया प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत श्री द्विवेदी ने बताया कि जय प्रकाश मिश्र जिला संयोजक, फागू लाल गुप्ता,डॉ बेचन यादव,विजय कुमार, बलराम रोहिदास,अमरेश कुमार सिंह,अजय शुक्ल,आदित्य प्रताप सिंह को जिला उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया है।संयुक्त मंत्री के पद पर रवीश पांडेय, हनुमान प्रसाद को निर्वाचित किया गया है, शेष पदों पर बाद में मनोनयन किया जायेगा।

नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा के शिक्षक स्वाभिमान की हर हाल में रक्षा की जाएगी। शिक्षक समस्याओं का संग्रह करके त्वरित निस्तारण का प्रयास किया जाएगा। संयुक्त शिक्षा निदेशक व जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त कराया जाएगा।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अनिरुद्ध त्रिपाठी, प्रदेश उपाध्यक्ष मार्कण्डेय सिंह, प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम पूजन सिंह, मंडल मंत्री अरुण कुमार मिश्रा, जितेंद्र कुमार शाही, मनोज कुमार सिंह,अनिल कुमार यादव,अरबिंद श्रीवास्तव,राम नरोत्तम प्रसाद, साहबराम मौर्य,कमलेश चौधरी, महिमा पांडेय, शोभा त्रिपाठी,नरेश कुमार,अशोक सिंह, अखिलेश कुमार यादव , सूर्यप्रकाश,देवब्रत सिंह, यशवर्धन शुक्ला,रमेश गुप्ता,अरविन्द सिंह,इंद्र बहादुर, अरुण कुमार तिवारी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

लापता युवक की लाश तालाब से बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थानांतर्गत परसांव गांव में आठ दिनों से लापता एक युवक की लाश सुबह तालाब में उतराती मिली। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी कुदरहा चौकी पर दी। थोड़ी देर में एसओ लालगंज सुनील कुमार, चौकी इंचार्ज रामअशोक यादव के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटनास्थल का सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह ने भी निरीक्षण कर छानबीन की।

लालगंज के परसाव गांव के पूरब एक कॉलेज के पास तालाब में शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव की पहचान विनय कुमार गौड़ (26) पुत्र स्व. रघुनाथ निवासी परसांव थाना लालगंज के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि विनय मानसिक रूप से अस्वस्थ था। वह अक्सर घर से लापता रहता था। फिर दो–चार दिन बाद वापस आ जाता था। इस बार भी पिछले आठ दिनों से वह घर नहीं आया था। परिजनों का कहना है कि वह अक्सर कुछ दिनों बाद घर लौट आता था, इसलिए थाने पर सूचना नहीं दी थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने लोगों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। सीओ रुधौली नें बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं। मामले की छानबीन की जा रही है। परिवार के लोगों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। छानबीन की जा रही है।

यूपी में 180 डिग्री परिवर्तन हो गया– धनखड़

लखनऊ (आभा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उनके आने से यूपी में 180 डिग्री परिवर्तन हो गया। धनखड़ ने कहा कि एक मामले में सीएम योगी कटघरे में हैं क्योंकि उन्होंने अपराध पर करारा प्रहार किया है और राज्य की कानून व्यवस्था बेहतर कर दी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यूपी के लोगों को अब विकास का चस्का लग गया। विकसित भारत में सबसे बड़ी आहुति यूपी को देनी है और आने वाले वक्त में यूपी देश का नंबर एक राज्य बनेगा। यूपी दिवस के मौके पर जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के पोर्टल को लॉन्च किया।

धनखड़ ने कहा कि वो 1 फरवरी को महाकुंभ जाएंगे और मां गंगा में डुबकी लगाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में सुखद वातावरण और अनलिमटेड पोटेंशियल है। मुख्यमंत्री युवा योजना बहुत अच्छी है और सरल भी है। यूपी की पहचान विकास की रफ्तार है। सीएम योगी ने चमत्कार कर दिया। यूपी की पहचान पहले कानून–व्यवस्था की चिंता वाली थी। लगता था कि यूपी किसी चक्रव्यूह में फंसा है लेकिन मुख्यमंत्री राज्य को इससे बाहर निकाल ले आए। उन्होंने कहा कि लगातार दो बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने वाले योगी पहले नेता हैं।

जगदीप धनखड़ ने अवैध प्रवासियों की समस्या पर भी बात की और कहा कि करोड़ों लोग अवैध रूप से रह रहे हैं। ये लोग चुनाव में भूमिका निभाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध लोग दुनिया भर में बड़ी समस्या हैं लेकिन इससे निपटने की जरूरत है।

कांग्रेस नेताओं ने किया सांसद प्रमोद तिवारी का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम में कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के ऐठीडीह जा रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सांसद प्रमोद तिवारी का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कप्तानगंज में फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' नोमान अहमद, नीलम चतुर्वेदी आदि ने प्रमोद तिवारी को कांग्रेस के सांगठनिक विस्तार एवं अन्य स्थितियों की जानकारी दी। प्रमोद तिवारी ने कांग्रेस नेताओं का आवाहन किया कि वे संगठन की मजबूती के लिये जुट जाय जिससे आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनावों में पार्टी निर्णायक स्थिति बना सके।

सांसद प्रमोद तिवारी का स्वागत करने वालों में गंगा प्रसाद मिश्र, पंकज उपाध्याय, सुल्तान अहमद, रामधीरज चौधरी, डा. आलोक रंजन, राजेन्द्र चतुवेदी, प्रशान्त पाण्डेय, लक्ष्मी यादव के साथ ही कांग्रेस के अनेक नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

आस्था के तालाब में न जाने पाये नाली का पानी: बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि बस्ती सदर विकास खण्ड के परासी गांवसभा में मुस्लिमों द्वारा गड़ही पर कब्जा कर मकान बनवा लेने और घरों के नाली का पानी हिन्दुओं के आस्था के तालाब में गिराये जाने हेतु नाली निर्माण कराये जाने के मामलों की जांच कराकर गड़ही की जमीन को खाली कराकर नाली निर्माण रोका जाय।

ज्ञापन देने के बाद बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी और जिला गोरक्षा प्रमुख स्नेह पाण्डेय ने कहा कि विकास खण्ड के परासी गांवसभा में गड़ही की जमीन से अवैध कब्जा हटवाकर नाली का निर्माण रोका जाय। चेतावनी दिया कि यदि नाली का निर्माण एक सप्ताह के भीतर न रोका गया तो आन्दोलन किया जायेगा। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सोनू चौहान, धर्मेन्द्र कन्नौजिया, अनिल प्रजापति, संतराम कन्नौजिया, रामानन्द सचिन, दिलीप कुमार, वृजेश चौधरी, मेहीलाल, मुकेश कुमार, गीता देवी, सूरज, राजकुमार, अशोक कुमार, अनिल कुमार, शिव प्रसाद, गोलू गुप्ता, चन्द्रशेखर, दुर्गा प्रसाद, राजन मिश्र, दिलीप बाबा, रामवृक्ष, राम औतार, अखिलेश, अमन, सुरजीत कुमार आदि शामिल रहे।

उद्यमियों को गौरव सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ने उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत लाभार्थियों को डेमो चेक, टूलकिट, कुम्हारी चाक, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर जनपद के युवाओं, उद्यमियों एवं कारीगरों का भारत रत्न पं0 अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षाग्रह में गौरव सम्मान कर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सम्बोधन का सजीव प्रसारण उपस्थित लोगों ने सुना। प्रभारी मंत्री का स्वागत जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बुके दे कर किया।

स्वागत के क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्रा तथा अपना दल के जिलाध्यक्ष का बुके देकर स्वागत किया गया।

विधायक अजय सिंह के सहयोग से 1800 यात्री महाकुंभ के लिए रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के द्वारा निशुल्क प्रयागराज महाकुंभ और अयोध्या भगवान राम के दर्शन के लिए क्षेत्रवासियों को भेजे जाने का सिलसिला लगातार जारी है। शुक्रवार को छठवें चरण में 30 बसों में 1800 तीर्थ यात्रियों को रवाना किया गया। विक्रमजोत ब्लाक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह और अन्य के द्वारा झंडी दिखाकर यात्रियों को रवाना किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक के सहयोग से यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया गया। प्रमुख ने सुखद और मंगल यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना दिया। प्रमुख ने बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर महाकुंभ में प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए रहने–खाने इत्यादि की भी व्यवस्था विधायक द्वारा निःशुल्क कराई गई है।

इस अवसर पर परशुरामपुर प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पान्डेय, अखिलेश सिंह प्रधान, राम ललित पाण्डेय, भारत सिंह, निर्मल सिंह, मोहन मिश्रा, बृजेश मिश्रा, विक्कू सिंह, बड़े सिंह, राजन पान्डेय, बीरू सिंह, दुर्गेश सिंह, विनोद गुप्ता, मनोज पाण्डेय, अंकित चौधरी, मुन्ना सिंह, विनोद गुप्ता, अतुल तिवारी, राजन तिवारी, ज्ञान विक्रम सिंह, मनीष सिंह, राजू मौर्या, दीपक, सचिन श्रीवास्तव, सीताराम मौर्या, बबलू सिंह, रविन्द्र सिंह, दीपक, छेदीलाल, जय प्रकाश, अखिलेश, रंजय कन्नौजिया, पंचम वर्मा, रामपाल सोनकर, विजय पाल वर्मा, सूर्यलाल वर्मा आदि उपस्थित रहे।

हरिशंकर अध्यक्ष, सन्तोष मंत्री बने:आईटीआई के वार्षिक अधिवेशन में गूंजा 'एक रहो, सेफ रहो' का नारा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से सम्बद्ध औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ का वार्षिक अधिवेशन राजकीय आई.टी.आई.सभागार में रणंजय सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में प्रान्तीय पर्यवेक्षक आशुतोष वर्मा की देख रेख में चुनाव अधिकारी अजय कुमार राना ने चुनाव सम्पन्न कराया। रणंजय सिंह संरक्षक, हरिशंकर अध्यक्ष, सन्तोष कुमार चौरसिया मंत्री, मोहम्मद अजहरूद्दीन कोषाध्यक्ष घोषित किये गये।

पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कहा कि कर्मचारी एकजुट न रहे तो उनके अधिकार एक–एक कर छीन लिये जायेंगे। उन्होने अधिकार के लिये संघर्ष पर जोर दिया। परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि लम्बे संघर्ष के बाद आठवे वेतन आयोग की घोषणा तो हुई किन्तु अभी तक कमेटी का गठन नहीं किया गया। पुरानी पेंशन नीति को लेकर सरकार का हठवादी रवैया बना हुआ है और निजीकरण का खतरा मड़रा रहा है। ऐसे में एक रहो, सेफ रहो के संकल्प के साथ चरणबद्ध आन्दोलनों को गति देना होगा।

अधिवेशन में ट्यूवेल टेक्निकल इम्पलाइज एसोसिएशन मंत्री सन्तोष राव, चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष मंशाराम, श्रीमती बेबी, नीतू सिंह, नन्दमोहन सिंह, अनूप वर्मा, राजेश उपाध्याय, रंजीता, आशुतोष यादव, हरिकिशोर पाण्डेय, एस.एन. वेग, अजय पटेल, अशोक भारती, विनोद कुशवाहा, विजय शर्मा, वृजेश उपाध्याय, सुजीत कुमार, रामदीन, हनुमान मिश्र, अरविन्द कुमार, रोली मिश्रा, मंगलमूर्ति पाठक, पवन कुमार, सन्तोष गुप्ता, विनोद सिंह, सुभाष श्रीवास्तव, राजेश चतुर्वेदी, योगेन्द्र यादव के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने लिया संन्यास

प्रयागराज (आभा)। जानी मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने कुंभनगरी में आकर संन्यास दीक्षा ली। दीक्षा के बाद उनका नाम बदलकर अब श्रीयामाई ममतानंद गिरि हो गया। संगम तट पर उनकी संन्यास दीक्षा हुई। शाम को किन्नर अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में उनका पट्टाभिषेक हुआ। हर–हर महादेव के जयकारों के साथ उनको अखाड़े में धर्मध्वजा के नीचे पट्टाभिषेक कराया गया।

शुक्रवार सुबह सेक्टर–16 संगम लोवर मार्ग स्थित किन्नर अखाड़ा शिविर पहुंची। इसके बाद उनकी संन्यास दीक्षा क्रियाएं आरंभ हुईं। आचार्य पुरोहित की मौजूदगी में करीब दो घंटे तक संन्यास दीक्षा हुई। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर गर्गाचार्य मुचकुंद, पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि समेत अन्य संतों की मौजूदगी में धार्मिक क्रियाएं हुईं। इसके बाद शाम को संगम तट पर पिंडदान हुआ।

बस्ती में बनेगा कर्पूरी ठाकुर चौराहा- आशीष पटेल

-कर्पूरी ठाकुर के 101 वीं जयन्ती पर संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर के 101 वीं जयन्ती पर ऑल इण्डिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजूकेटेड एशोसिएशन जिलाध्यक्ष आलोक ठाकुर के संयोजन में हीरालाल चौधरी प्राथमिक विद्यालय वाल्टरगंज के परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जनपद के प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर का जीवन संघर्षमय रहा। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होने राजनीति में सादगी का उदाहरण पस्तुत किया। इससे नई पीढी को प्रेरणा लेना चाहिये। उन्होने बस्ती शहर में कर्पूरी ठाकुर चौराहा घोषित कराने का आश्वासन दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि भाजपा की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर लम्बे समय से चल रही मांग को पूरा किया। अन्य सरकारों ने उनके योगदान को उपेक्षित किया। विशिष्ट अतिथि ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, आर.के. आरटियन ने कहा कि जब तक समाज में विषमता, उत्पीड़न, शोषण का वैचारिक चरित्र जीवित है जननायक कर्पूरी ठाकुर प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों में नन्द पुस्तिका का वितरण किया गया। संचालन डा. हरिकेश नन्दबंशी ने किया।

जननायक कर्पूरी ठाकुर के 101 वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से बब्बन शर्मा, अनिल शर्मा, मनोज वर्मा, सन्तोष शर्मा, कमलेश शर्मा, सुभाष शर्मा, ललित शर्मा, ओंकार शर्मा, शिव कुमार चौधरी, बाबा ठाकुर, राम किशोर ठाकुर, राजमणि चौधरी, अमरनाथ चौधरी, राम सिंह पटेल के साथ विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह: मेधावियों में प्रमाण–पत्र का वितरण

-तकनीकी ज्ञान से देश को समृद्ध करें युवा- अंकुर वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को राजकीय पालीटेक्निक छबिलहाखोर सदर बस्ती में दीक्षांत समारोह में मेधावियों में प्रमाण–पत्र का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि आज के दौर में तकनीकी शिक्षा की मांग बढ़ गई है। इसीलिए हर विद्यार्थी को चाहिए कि वह तकनीकी ज्ञान जरूर हासिल करें ताकि, किसी भी क्षेत्र में जाएं तो उन्हें रोजगार और नौकरी के लिए भटकना न पड़े। कहा कि ज्ञान, नौकरी, सेवा और संस्कार इसी के जरिए समाज व देश का भविष्य बदलेगा।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य, विभागाध्यक्ष और सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी आदि ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित किया गया। प्रधानाचार्य एम.एम. सलीम ने कालेज की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

संस्थान के सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी ने बताया कि सत्र 2021–24 में कुल 108 छात्र पास हुए जिसमें यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऋषभ तिवारी, इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स में सुरज प्रभात एवं टेक्सटाइल डिजाइन में आदित्य दूबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संचालन शिव प्रकाश त्रिपाठी प्रवक्ता यांत्रिक, सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी एवं वर्तिका उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेंद्र प्रसाद विभागाध्यक्ष यांत्रिक, विपिन यादव विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स, नीरज मिश्रा रजत यादव हुमाम अहमद, देवव्रत कुमार, अशोक कन्नोजिया, शुभम पटेल, विवेक सिंह, वैशाली सिंह, मो अब्दुल्ला, आदित्य सिंह,राजाराम ,गौरव कुमार, दिनेश चन्द्रा, प्रदीप यादव, मुक्तिनाथ, राजेश,अभिलाष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जयन्ती पर याद किये गये जन नायक कर्पूरी ठाकुर

-जन नेता थे कर्पूरी ठाकुर- जगदीश शुक्ल
-शीघ्र होगा कर्पूरी ठाकुर पार्क, प्रतिमा का निर्माण- अंकुर वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को जन नायक कर्पूरी ठाकुर को उनके जयन्ती पर याद किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता पवन वर्मा के नेतृत्व में रंजीत कालोनी में कार्यक्रम आयोजित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण के साथ ही उन्हें नमन् करते हुये वक्ताओं ने योगदान पर प्रकाश डाला।

कर्पूरी ठाकुर के योगदान पर चर्चा करते हुये भाजपा नेता पवन वर्मा ने कहा कि वे देशी माटी में जन्मे देशी मिजाज के राजनेता थे जिन्हें न पद का लोभ था, न उसकी लालसा और जब कुर्सी मिली भी तो उन्होंने कभी उसका न तो धौंस दिखाया और न ही उसका तामझाम। मुख्यमंत्री रहते हुए सार्वजनिक जीवन में ऐसे कई उदाहरण हैं जब उन्होंने कई मौकों पर सादगी की अनूठी मिसाल पेश की। भारतीय राजनीति में ऐसे विलक्षण राजनेता कम ही मिलते हैं। शायद इसीलिए कर्पूरी ठाकुर को सिर्फ नायक नहीं अपितु जननायक कहा गया। कहा कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की उपाधि मिल गया, जरूरत है उनके आदर्शों को जीवन में उतारा जाय।

भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ तथा बिहार राज्य के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके कर्पूरी ठाकुर का जन्म भारत में ब्रिटिश शासन काल के दौरान समस्तीपुर के एक गाँव पितौंझिया, जिसे अब कर्पूरीग्राम कहा जाता है, में हुआ । बताया कि भारत छोड़ो आन्दोलन के समय उन्होंने 26 महीने जेल में बिताए थे। उनकी जड़ें जनता–जनार्दन के बीच गहरी थीं। तब संचार के इतने सशक्त माध्यम नहीं थे। बावजूद इसके कोई घटना होने पर वह सबसे पहले उनके बीच पहुंचते थे। यह जनता के बीच उनकी गहरी पैठ और आपसी सामंजस्य का प्रतिफल था। वो हमेशा जनता की बेहतरी के लिए प्रयत्नशील रहे। ऐसे जन नेता से राजनीतिज्ञों को प्रेरणा लेनी चाहिये। अंकुर वर्मा ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में कर्पूरी ठाकुर की स्मृति में पार्क और प्रतिमा स्थापना की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। अति शीघ्र यह साकार रूप लेगा। कर्पूरी ठाकुर के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राहुल श्रीवास्तव, आशीष शुक्ल, अंकुर श्रीवास्तव, महेन्द्र सोनकर, सचिन शुक्ल, अमन श्रीवास्तव, सत्येन्द्र मिश्र, वीरेन्द्र वर्मा, रोहन श्रीवास्तव, विष्णु शर्मा, प्रिन्स श्रीवास्तव, अखिलेश त्रिपाठी, सन्तोष भारद्वाज, बच्चूलाल निषाद, सुजीत पाण्डेय, रजनीश वर्मा, सौरभ पाण्डेय, सूरज गुप्ता, मनोज शर्मा, जामवन्त वर्मा के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 25 जनवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

मतदाता और मुफ्तखोरी

यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त–मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, उसके जनक विभिन्न राज्यों में कई राजनेता भी रहे हैं। लेकिन फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल की चर्चा ज्यादा है। वे नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले तक भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को राष्ट्रीय हितों के लिये घातक बताता था, वही भाजपा केजरीवाल को उसी की मुफ्त वाली नीतियों से मात देने के लिये चुनावी मैदान में उतरी है। दरअसल पिछले आम चुनाव में चार सौ पार के अरमानों को झटका लगने के बाद भाजपा भी मुफ्त के खेल में उलझ गई है। दौड़ में अब कांग्रेस भी उतर गई है। विडंबना यह है कि जो पैसा दीर्घकालिक विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए था, वह मुफ्त के फेर में फंस गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जिस भी महकमे ने मुफ्त में सेवाएं देनी शुरू की, उसका भट्टा ही बैठा है। अब चाहे मुफ्त की बिजली हो, पानी हो या फिर बस सेवा। कमोबेश, यही हाल भारतीय रेलवे का भी है, जो राजनेताओं के किराये बढ़ाने के विरोध के बाद खुद को संभाल नहीं पा रही है। बड़ा तंत्र होने के बावजूद उसके सुरक्षातंत्र को मजबूत बनाने के लिये पर्याप्त लाभ नहीं कमाया जा सका। विडंबना यह भी है कि तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और दूरदर्शी राजनेताओं के अभाव में विकास की रोशनी हर घर तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका समाधान मुफ्त के खेल में कदापि नहीं है।

निस्संदेह, मुफ्त की नीति लोगों को अकर्मण्य बनाती है। जरूरी था कि लोगों को इतना सक्षम बनाया जाता कि उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलता। फिर उन्हें मुफ्त मांगने की जरूरत ही नहीं होती। विडंबना यह है कि हमारे परिवार–समाज की धुरी मानी जाने वाली महिलाओं को प्रलोभन देने का खेल राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो गया है। पहले ये शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। फिर महाराष्ट्र में बहनों के लिये आर्थिक प्रोत्साहन राशि गेम चेंजर साबित हुई। अब वही कवायद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखी जा रही है। दिल्ली की आप सरकार ने पहले मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि पात्र महिलाओं को बांटी। अबकी बार आप ने यह राशि बढ़ाकर 2,100 करने की घोषणा की है। इसी तर्ज पर भाजपा महिला समृद्धि योजना लेकर आई है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये सत्ता में आने पर दिये जाने का वायदा है। इस मुफ्त के खेल में अब कांग्रेस भी उतर गई है, जिसने सभी पात्र महिलाओं को 2,500 मासिक देने की घोषणा की है। भाजपा व कांग्रेस को लगता है कि आप की मुफ्त की राजनीति को मुफ्त के दांव से ही शिकस्त दी जा सकती है। निस्संदेह, हमारी आधी दुनिया की अर्थव्यवस्था में भूमिका तय नहीं हो पायी, जो 21वीं सदी में होनी चाहिए थी। हमारे वंचित समाज की महिलाओं को आर्थिक आजादी दिया जाना तार्किक पहल है। लेकिन उन्हें स्वावलंबी बनाने की जरूरत है न कि याचक के रूप में मुफ्त की आर्थिक सहायता देने की। इससे न केवल सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है बल्कि मुफ्त की लत भी बढ़ती है। अर्थशास्त्रियों की राय से सहमत हुआ जा सकता है कि प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद राजकोषीय स्वास्थ्य के लिये खतरनाक है। जो कालांतर दीर्घकालीन विकास के लिये घातक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से भारत के चुनाव आयोग को इस गंभीर मुद्दे पर पहल कर चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाने और राजकोषीय स्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में पहल करनी चाहिए। सही मायनो में मुफ्तखोरी की संस्कृति भारतीय लोकतंत्र का मजाक ही है।

जय बापू–जय भीम के भरोसे जमीन तलाशती कांग्रेस

—अजय कुमार—

कांग्रेस इन दिनों अपनी खोई हुई सियासी जमीन को दोबारा पाने के लिए जी–जान से जुटी हुई है। वर्षों से सत्ता के केंद्र में रही यह पार्टी, अब देश के हर हिस्से में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में कांग्रेस ने 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' नामक अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान देशभर में कांग्रेस के लिए एक नई ऊर्जा का माध्यम बन रहा है, जिसका उद्देश्य दलित समाज के बीच अपनी पुरानी पहचान को फिर से स्थापित करना है। इस अभियान का आगाज दिल्ली के सीलमपुर से हुआ, फिर कर्नाटक के बेलगाम में इसकी गूंज सुनाई दी और अब अगला पड़ाव डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू है, जहां 28 जनवरी को एक विशाल जनसभा होने वाली है।

इस अभियान के जरिए कांग्रेस ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि वह दलित समाज के दिल और दिमाग में एक बार फिर जगह बनाना चाहती है। आजादी के शुरुआती वर्षों में कांग्रेस दलितों के लिए सबसे बड़ा सियासी मंच हुआ करती थी, लेकिन अस्सी के दशक में बसपा के उदय के बाद यह समीकरण पूरी तरह बदल गया। उत्तर भारत के कई राज्यों में दलित वोट कांग्रेस से खिसककर बसपा की झोली में चले गए। वहीं, पिछले कुछ दशकों में बीजेपी ने भी दलितों के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ने में सफलता हासिल की। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों के जरिए दलित समाज के बीच नई उम्मीदें जगाई थीं, और अब वह इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए मैदान में उतर आई है।

कांग्रेस का यह कदम बसपा की राजनीति से प्रेरित नजर आता है। जिस तरह से बसपा ने नीला झंडा, हाथी का निशान और 'जय भीम' के नारों से अपनी पहचान बनाई थी, उसी राह पर अब कांग्रेस भी चलती दिख रही है। कांग्रेस नेता, जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं, नीला अंगवस्त्र धारण कर मंच साझा कर रहे हैं और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें मंच की शोभा बढ़ा रही हैं। जय भीम का नारा, जो कभी बसपा की पहचान हुआ करता था, अब कांग्रेस की सभाओं में गूंज रहा है।

डॉ. आंबेडकर की राजनीतिक और सामाजिक विरासत आज केवल दलितों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। दलित समाज के लिए आंबेडकर एक प्रेरणा है, एक मसीहा है, और कांग्रेस इसे भलीभांति समझती है। यही वजह है कि आंबेडकर के नाम को लेकर कांग्रेस ने एक ठोस रणनीति बनाई है। बीजेपी नेता अमित शाह द्वारा आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस मामले को लेकर न केवल बीजेपी पर निशाना साधा, बल्कि दलित समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की।

कांग्रेस का यह अभियान केवल एक राजनीतिक योजना नहीं है, बल्कि एक विचारधारा को फिर से जीवित करने की कोशिश है। यह अभियान उन दलितों तक पहुंचने का प्रयास है, जो मायावती के नेतृत्व में बसपा से निराश होकर अब सपा या बीजेपी के साथ जुड़ गए हैं। कांग्रेस का मानना है कि बसपा की कमजोर होती पकड़ के बाद दलित वोटर्स स्थायी रूप से किसी एक पार्टी से नहीं जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास मौका है कि वह अपने पुराने कोर वोट बैंक को वापस हासिल कर सके।

2024 के लोकसभा चुनावों ने कांग्रेस के इस विश्वास को और मजबूत किया है। इन चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दलित बहुल क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। बीजेपी, जिसने 2014 और 2019 में दलित वोटों पर बड़ा कब्जा जमाया था, इस बार कमजोर पड़ी। सीएसडीएस के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बीजेपी को केवल 31: दलित वोट मिले, जो 2019 के मुकाबले 3: कम थे। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दलित वोटों में बड़ा हिस्सा पाया। इन चुनावों में दलित बहुल 156 लोकसभा सीटों में से 93 सीटें विपक्षी गठबंधन के खाते में गईं।

देश में दलित समाज की जनसंख्या का महत्व किसी से छिपा नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दलितों की आबादी 17: है, जो 20 करोड़ से ज्यादा है। 543 लोकसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, लेकिन दलितों का सियासी प्रभाव 150 से अधिक सीटों पर देखा जाता है। ऐसे में दलित वोट किसी भी पार्टी के लिए सत्ता तक पहुंचने की कुंजी हो सकते हैं।

कांग्रेस के लिए यह समय निर्णायक है। दलित समाज के बीच अपनी खोई हुई जगह को पाने के लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी है। इस अभियान के तहत न केवल बड़ी रैलियां और जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। 28 जनवरी को महू में होने वाला कार्यक्रम इस अभियान का अहम हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।यह साफ है कि कांग्रेस दलितों को लुभाने के लिए पूरी तरह से बसपा की शैली को अपना रही है। इसके तहत पार्टी ने डॉ. आंबेडकर को अपने एजेंडे का केंद्र बनाया है और उनके नाम पर दलित समाज से संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस का यह प्रयास कितना सफल होता है। लेकिन एक बात तय है, देश के बदलते सियासी परिदृश्य में दलित समाज के लिए कांग्रेस की यह कवायद एक नई सियासी दिशा तय कर सकती है।

बेटियों के सपनों को मिले उड़ान

-प्रो. आर.के. जैन 'अरिजीत'-

आज के समाज में बदलाव की तेज हवा बह रही है। बालिकाओं के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसरों में विस्तार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन पहलों से यह स्पष्ट होता है कि बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ सकती हैं, बस जरूरत है उन्हें सही समर्थन और मार्गदर्शन की। मगर, यह भी सच है कि बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा जैसी समस्याओं से निपटना समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। जब तक हम इन चुनौतियों से मिलकर नहीं लड़ेंगे, तब तक बालिकाओं के सशक्तीकरण का स्वप्न अधूरा ही रहेगा।

बालिकाओं के सपनों को पंख देने के लिए, एक नई ऊर्जा के साथ हर वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है राष्ट्रीय बालिका दिवस। यह दिन समाज को याद दिलाता है कि बालिकाएं न केवल भविष्य की निर्माता हैं, बल्कि वर्तमान की शक्ति भी हैं। उनके अधिकारों और सशक्तीकरण की ओर उठाए गए कदमों को स्मरण करते हुए, हमें सुनिश्चित करना होगा कि वे हर क्षेत्र में अपना पूर्ण विकास कर सकें। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान रू बालिकाओं के लिए नए आयाम' इंगित करती है कि अब समय आ गया है जब हम बालिकाओं को उनके सपनों की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक मंच और अवसर प्रदान करें।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का गौरवशाली इतिहास हमें 2008 की ओर ले जाता है, जब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे पहली बार मनाने का साहसिक कदम उठाया। 24 जनवरी को इस दिन को मनाने का निर्णय इसलिए हुआ क्योंकि इसी दिन 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह दिन नारी शक्ति का सम्मान और उनकी असीम संभावनाओं को मान्यता देने का प्रतीक बन गया है। इंदिरा गांधी का नेतृत्व यह साबित करता है कि महिलाएं, जब उन्हें सही अवसर मिले, तो वे हर क्षेत्र में विजय पताका फहरा सकती हैं।

आज भी, बालिकाओं की स्थिति में परिवर्तन देखने को मिला है, लेकिन चुनौतियां अभी भी हिम्मत के साथ खड़ी हैं। बाल विवाह, लिंग भेदभाव और शिक्षा में असमानता जैसी समस्याएं देश के अनेक कोनों में अपनी जड़ें मजबूती से जमाए हुए हैं। इन कठिनाइयों से मुकाबला करने के लिए सरकारी योजनाओं के साथ–साथ समाज के सामूहिक संकल्प का विशेष महत्व है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों ने बालिकाओं की शिक्षा की अहमियत को जन–जन तक पहुंचाया है और उनके अधिकारों के प्रति सचेतनता बढ़ाई है। ये प्रयास हमें याद दिलाते हैं कि बालिकाओं को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है, जिससे एक समतामूलक और शिक्षित समाज की नींव रखी जा सके।

बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए देश के अनेक क्षेत्रों में जोरदार प्रयास हो रहे हैं। शिक्षा के साथ–साथ खेल, विज्ञान, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चल रहे हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप, कई बालिकाएं खेल, विज्ञान और कला में अद्भुत सफलताएं हासिल कर रही हैं, जो उनके लिए नए अवसरों की सीढ़ियां खोल रही हैं। वर्ष 2025 की थीम 'सपनों की उड़ान' हमें स्मरण कराती है कि केवल अवसर देना ही पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसा वातावरण भी निर्मित करना होगा जहां बालिकाएं अपने विचारों और क्षमताओं को निर्भीकता से व्यक्त कर सकें। ऐसा माहौल उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने जीवन की दिशा स्वयं चुनने का अधिकार देता है।

आज के समाज में बदलाव की तेज हवा बह रही है। बालिकाओं के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसरों में विस्तार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन पहलों से यह स्पष्ट होता है कि बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ सकती हैं, बस जरूरत है उन्हें सही समर्थन और मार्गदर्शन की। मगर, यह भी सच है कि बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा जैसी समस्याओं से निपटना समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। जब तक हम इन चुनौतियों से मिलकर नहीं लड़ेंगे, तब तक बालिकाओं के सशक्तीकरण का स्वप्न अधूरा ही रहेगा।

दरअसल, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें एक ऐसा संकल्प लेने का मौका देता है जहां हर बालिका अपने सपनों को पंख लगाकर उड़ान भर सके, आजादी और सुरक्षा के साथ। इस दिन का महत्व महज उत्सव मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें बालिकाओं के लिए एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। बालिकाओं की उड़ान को सही दिशा देने के लिए हमें अपना योगदान देना होगा, ताकि उनका हर सपना हकीकत बन सके। जब बालिकाएं अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। उनकी सपनों की उड़ान समाज की प्रगति की ओर एक बड़ा कदम है, जो हमें याद दिलाती है कि जब एक बालिका सशक्त होती है, तो पूरा समाज सशक्त होता है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, जो हमें बालिकाओं को उनके सपनों की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने का मौका देता है। इस दिन, हम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समानता के क्षेत्रों में प्रगति के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लेते हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है, जहां हर बालिका सुरक्षित महसूस करे, जहां उनकी प्रतिभा का सम्मान हो, और जहां वे सशक्त होकर अपने सपनों की राह पर निर्भीकता से चल सकें। इसके लिए हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जिसमें बालिकाएं अपने विचारों और क्षमताओं को निर्भीकता से व्यक्त कर सकें, चाहे वह खेल, कला, विज्ञान या अन्य कोई क्षेत्र हो। केवल इसी प्रकार का वातावरण उनके सपनों को साकार करने की दिशा में सार्थक योगदान दे सकता है।

इसके अलावा, हमें उन्हें वह समर्थन और संसाधन प्रदान करने होंगे, जो उनके भविष्य को संवारने के लिए आवश्यक हैं। बाल विवाह, शिक्षा में असमानता और लिंग भेदभाव जैसी बाधाओं को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इस प्रकार, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह याद दिलाता है कि समाज की प्रगति के लिए बालिकाओं का सशक्तीकरण और उनके सपनों की उड़ान उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना कि हमारे सामूहिक प्रयास।

डिजिटल क्षेत्र में अवसर

—कीर्तिशेखर—

अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और गुणवत्ता ला सकते हैं। समय बताने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतियोगिता में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े–लिखे हों, आपकी प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी।

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास कितनी ही डिग्रियां हों, चाहे कितने ही बुद्धिमान हों, कैरियर में जंप लगाना आपके लिए संभव नहीं होगा। आज लिटरेसी का मतलब है डिजिटल लिटरेसी विशेषकर डिजिटल लिटरेसी का मतलब हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेज को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना ही सही मायनों में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है। अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपकी जिंदगी में विभिन्न तरह के कैरियर विकल्प हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे।

अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और गुणवत्ता ला सकते हैं। समय बताने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतियोगिता में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े–लिखे हों, आपकी प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी।

अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर जैसे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए नौकरी खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग भी कर सकते हैं। नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है। अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आनलाइन प्लेटफॉर्म में प्रोडक्ट बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली दक्ष हों।

अगर आप डिजिटल तकनीकों से काम नहीं कर पाते तो इसका आपको कैरियर में नुकसान उठाकर भरपायी करनी होगी। मसलन–डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में पिछड़ सकते हैं। उच्च वेतन वाली नौकरियां नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो टिकना भी मुश्किल हो सकता है।

डिजिटल माध्यम से काम करने की स्किल्स सीखने को कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेज मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं। सॉफ्टवेयर जैसे वर्ल्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रेक्टिस करें। मसलन ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई–कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप यकीनन डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे। –इ.रि.सें.

सभी अधिकारी तय समय पर करें तैयारी पूरी– डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। गणतंत्र दिवस की तैयारी के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिसमें डीएम ने तय समय से पहले सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर सुबह 7.30 बजे 10 किलोमीटर साईकिल रेस कलेक्ट्रेट गेट 2 से पाण्डेयपुरवा व वापस कलेक्ट्रेट गेट2 होगी। जिसमें बालक भाग लेंगे। जबकि स्टेडियम के अन्दर–बालिकाओं के लिए दौड़ होगी। इसी के साथ सुबह प्रभात फेरी व 8.30 बजे सरकारी कार्यालयों व भवनों पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण फहराया जाएगा। इसी के साथ झण्डा अभिवादन एवं राष्ट्रगान तथा संविधान में उल्लिखित संकल्प दिलाया जाएगा। डीएम ने बताया कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी पुलिस लाइन में पुलिस परेड, विभागीय झांकियों के प्रदर्शन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित झांकियों में पंचायती राज विभाग की ओर से स्वच्छता रथ, स्वच्छ शौचालय ट्रैक्टर पर, वन विभाग की ओर से वन्य जीवों के मॉडल व पेड़–पौधों का प्रदर्शन, नगर पालिका भिनगा की ओर से कूड़ा वाहन, ई–रिक्शा के साथ 30 सफाईकर्मी जो निर्धारित वेशभूषा में रहेंगे।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को झांकियों की तैयारी एवं उनके पर्यवेक्षण के लिए नोडल नामित किया है। उन्होंने निर्देश दिया कि पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए प्रदर्शनी का समय निर्धारण एवं अन्य तैयारियों की समीक्षा करें।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सभी विभागीय झांकियों को 25 जनवरी तक तैयारी के साथ पुलिस लाइन्स में रिहर्सल के लिए उपस्थित होने हों। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ,मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी क्रमशः पीयूष जायसवाल, ओम प्रकाश, आशीष भारद्वाज, एसके राय, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ आदि मौजूद रहे।

रूक्मिणी और कन्हैया का विवाह जीव और ईश्वर का मिलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन में श्रीमदभागवत कथा के चौथे दिन व्यासपीठ से आचार्य देवर्षि त्रिपाठी ने कहा कि यशोदा के हृदय में बसा हुआ कन्हैया जागा है किन्तु हमारे हृदय का कन्हैया सोया हुआ है। जब तक परमात्मा को प्रेम से न बाधा जाय संसार का बन्धन बना रहता है। ईश्वर को फल दोगे तो वे तुम्हें रत्न देंगें। पाप के जाल से छूटना आसान नही है, जब तक पुण्य का बल बढता नही पाप की आदत नहीं छूटती।

महात्मा जी ने कहा कि जो ईश्वर से मिलना चाहता है उसे अपना जीवन सादा रखना चाहिये। राजकन्या होते हुये भी रूक्मिणी पार्वती जी के दर्शन के लिये पैदल ही गयी। रूक्मिणी और कन्हैया का विवाह जीव और ईश्वर का मिलन है।

महात्मा सन्तोष शुक्ल ने कथा क्रम में भक्त प्रहलाद, कुन्ती की भक्ति और भीष्म का प्रेम, राधा के त्याग, गोकुल भूमि की महिमा और ग्वाल बाल गोपिकाओं का श्री कृष्ण के प्रति समर्पण, महारास के आध्यात्मिक बिन्दुओं का वर्णन करते हुये कहा कि संसार में कुन्ती जैसा बरदान किसी ने नहीं मांगा । कुन्ती ने कन्हैया से दुःख मांगा जिससे उनका कन्हैया उनसे दूर न जाय। आजकल तो लोग भगवान से केवल सुख मांगते हैं किन्तु बिना दुख के साधना पूर्ण ही नही हो सकती।

–7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन

कथा में संयोजक ध्रुवचन्द्र पाठक, मुख्य यजमान गुरू प्रसाद गुप्ता, उदय नरायन पाठक, सीता पाठक, जगदम्बा पाण्डेय, शीतला गोस्वामी, शिवमूरत यादव, रामसुन्दर, उदयनरायन पाठक, ओम प्रकाश पाठक, परमात्मा सिंह, अनिल पाठक, मनोज विश्वकर्मा, नरेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण त्रिपाठी, हृदयराम गुप्ता, पिन्टू मिश्रा, बब्लू उपाध्याय, रामसेवक गौड़, उर्मिला त्रिपाठी, बीरेन्द्र ओझा , अमरजीत सिंह , शुभम पाठक , राम बहोरे , उमेश दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

चक मार्ग पर अतिक्रमण करने वालों की खैर नहीं, 1 फरवरी से चलेगा अभियान

संवाददाता–गोण्डा। जिले की डीएम नेहा शर्मा ने चकमार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने का निर्णय लिया है। डीएम ने 1 फरवरी से 15 फरवरी तक विशेष अभियान चलाने का निर्देश जारी किया है। इस अभियान के तहत चकमार्ग न केवल अतिक्रमणमुक्त किए जाएंगे बल्कि इन्हें सुरक्षित और उपयोगी भी बनाया जाएगा। डीएम ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण हटाने के बाद इन चकमार्गों पर तुरंत पुनर्वास कार्य शुरू किया जाएगा। खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे मनरेगा के तहत वर्क आईडी जनरेट कर मिट्टी पटाई और मरम्मत कार्य सुनिश्चित करें। इस पहल का उद्देश्य चकमार्गों को न केवल सुरक्षित करना है बल्कि ग्रामीण विकास कार्यों को भी गति प्रदान करना है।

अभियान के लिए राजस्व और पुलिस कर्मियों की संयुक्त टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें ग्रामवार तिथियों का निर्धारण कर संबंधित स्थानों पर पहुंचेंगी और अतिक्रमण हटाएंगी। अभियान के बाद दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ताकि भविष्य में अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। इस अभियान की निगरानी के लिए अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी चकमार्गों की सूची 31 जनवरी तक तैयार कर जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। अभियान का कार्य 1 फरवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक पूरा किया जाना सुनिश्चित है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधाओं को बहाल करने और चकमार्ग अतिक्रमण की पुरानी समस्या को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। ग्राम पंचायत स्तर पर सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश भी दिया गया है। ताकि जनता पारदर्शिता देख सके और अभियान की प्रगति से अवगत हो सके। इस अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

हरियाली से आएगी खुशहाली –अंकिता जैन

संवाददाता–गोंडा। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन जनपद शाखा गोंडा और कृषि परिवार द्वारा सुगंधित और औषधीय पौधों का रोपण कृषि विभाग के परिसर में नव निर्मित अमृत वाटिका में किया। इसका लोकार्पण सीडीओ अंकिता जैन ने किया। उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सूर्य किशोर शर्मा ने अवगत कराया कि अमृत वाटिका की स्थापना का उद्देश्य यह है कि सभी अधिकारी व कर्मचारी रिक्त भूमि पर औषधीय पौधों जैसे अश्वगंधा ,शतावर, चिरायता, करी पत्ता, सहजन, एलोवेरा का रोपण करें। इसके साथ ही सुगंधित फूलों के पौधे भी लगाएं और उसकी देखभाल करें। क्योंकि हरियाली से आएगी खुशहाली।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर, जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार, परियोजना निदेशक चंद्रशेखर, अपर जिला कृषि अधिकारी शरद चंद्र उपाध्यक्ष, ओपी तिवारी आदि रहे।

ऐलहवा परसपुर में बीडीओ ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता–गोंडा। ऐलहवा परसपुर में शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी अभय कुमार व जिला पंचायत सदस्य श्रवण शुक्ल ने शुक्रवार को गांव के 60 गरीबों को निःशुल्क कंबल वितरण किया। बीडीओ अभय कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहा कि लोगों के सहयोग से बड़ा कोई कार्य नही होता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान ममता देवी, एडीओ आईएसबी मोहम्मद आजम खां, पूर्व प्रधान राधेश्याम मिश्र, रोशन लाल, नंदनी मौर्य, राधेश्याम मिश्रा, ललिता देवी, नीलम चौधरी, रामानंद गौतम, अशोक कुमार रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ के जिला उपाध्यक्ष बने हरि पांडेय

संवाददाता–बहराइच। विश्व हिन्दू महासंघ की एक बैठक संपर्क कार्यालय सिविल लाइन पानी टंकी चौराहा पर आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक विस्तार पर गहन मंथन किया गया। हरि पांडे उर्फ बच्चा भैया को संगठन का वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। अयोध्या में श्री राम विग्रह प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की श्रृंखला पर रामलला की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। बैठक में विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों को पराक्रम पत्रिका, बैग, अंग वस्त्र, आई कार्ड डोरी, पेन वितरण कर माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। बैठक में सभी लोगों ने अपने–अपने विचार प्रकट किए। जिला संरक्षक मुशीलाल त्रिवेदी ने संगठनात्मक विस्तार पर सुझाव रखे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पं. राकेश दुबे ने की, बैठक में मौजूद जिला प्रभारी राकेश दुबे, जिला संयोजक सरदार गुरदीप सिंह, जिला महामंत्री विनय मित्तल, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरि पांडे उर्फ बच्चा पांडे, जिला उपाध्यक्ष बैजनाथ सिंह रैकवार, देशराज पुरी, धर्माचार्य प्रकोष्ठ अध्यक्ष पयागपुर मीडिया प्रभारी बृजेश अस्थाना, प्रमोद कुमार मौर्य, देवेंद्र कुमार यज्ञ सैनी, मातृ शक्ति प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रचना गुप्ता, नगर मंत्री मातृ शक्ति प्रकोष्ठ बिन्नी देवी आदि मौजूद रहे।

उपभोक्ताओं को सरचार्ज पर मिलेगी 80 फीसदी छूट

संवाददाता–गोंडा। बिजली उपभोक्ताओं को सरचार्ज पर अब अस्सी फीसदी छूट मिलेगी। एक मुश्त समाधान योजना की शर्त में बदलाव करते हुए दूसरे चरण का लाभ तीसरे में लागू कर दिया गया है। मंडल के करीब 11 लाख 55 हजार उपभोक्ता इस स्कीम के तहत पंजीकरण करा कर लाभ उठा सकते हैं। हालांकि योजना के तहत सरचार्ज पर दूसरे चरण में 80 फीसदी माफी 22 जनवरी तक थी। कार्पोरेशन के मुख्य अभियंता एमपी सिंह का कहना है कि अब टैरिफ में बदलाव कर इसे 31 जनवरी तक कर दिया गया है। इससे समाधान योजना आगे बढ़ाया तय हो गया है। बताया जा रहा है कि तीसरा चरण एक फरवरी से शुरू होगा। शर्त के मुताबिक तीसरे चरण में सरचार्ज पर 70 फीसदी छूट मिल सकेगी। साफ किया कि इस महीने जो भी पंजीकरण करा दिए जाएंगे उसकी सरचार्ज पर 80 फीसदी का लाभ मिलेगा। अब तक मंडल के चारों जिलों से एक लाख 16 हजार 598 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण करा लिये जाने से विभाग को 77 करोड़ राजस्व मिले हैं। एक किलोवाट वाले उपभोक्ता स्कीम में दस किश्तों में बकाया जमा करने का लाभ ले सकते हैं। वही जिसका पीडी (परमानेंट डिस्कनेक्ट) कर दिया गया, जिनका मामला अदालत में चल रहा है और जिनकी आरसी जारी हो चुकी है, एक शपथ पत्र देने पर योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। विभाग के मुताबिक गोण्डा जिले में 4,01909, बहराइच के 3,85914, बलरामपुर व श्रावस्ती के 3,67859 पात्र उपभोक्ता है। जिन पर करीब 1740 करोड़ बकाया चल रहा है। इस योजना के तहत गोण्डा 35,534 उपभोक्ताओं ने 22.21 करोड़ रुपये, बहराइच के 43135 उपभोक्ताओं ने 29.02 करोड़ और बलरामपुर व श्रावस्ती के उपभोक्ताओं ने 21.93 करोड़ राजस्व जमा करके इसका लाभ लिया है।

अब पोर्टल पर सुरक्षित रहेंगे मुकदमों के साक्ष्य, ई–साक्ष्य एप की शुरुआत

संवाददाता–महराजगंज। अपराध मामलों में क्राइम सीन से मिले महत्वपूर्ण साक्ष्य अब सुरक्षित रखने के लिए ई–साक्ष्य एप का उपयोग किया जाएगा। इस एप के जरिए विवेचकों ने अब तक 400 से अधिक मुकदमों के साक्ष्य फीड किए हैं। जिला प्रशासन ने सभी विवेचकों को पोर्टल पर साक्ष्य अपलोड करने के निर्देश दिए हैं, जिससे साक्ष्यों की सुरक्षा और न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। पहले साक्ष्यों को पेन ड्राइव, सीडी या डीवीडी के जरिए कोर्ट में प्रस्तुत किया जाता था। इनमें डेटा डिलीट होने या माध्यम खराब होने की शिकायतें आम थीं। लेकिन अब ई–साक्ष्य एप के उपयोग से साक्ष्य डिजिटल रूप में पोर्टल पर सुरक्षित रहेंगे। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह के अनुसार, विवेचकों को इसके लिए प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वे साक्ष्यों को आसानी से अपलोड और सुरक्षित कर सकें। यह एप राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य अपराध मामलों में साक्ष्यों को डिजिटल रूप में संरक्षित करना है। इससे साक्ष्यों के गायब होने या छेड़छाड़ की संभावना समाप्त हो जाएगी। एप पर फोटो, वीडियो और बयान आदि को संरक्षित किया जा सकता है।

विवेचक अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से साक्ष्य अपलोड करते हैं। प्रत्येक साक्ष्य को अपराध संख्या के आधार पर पोर्टल पर सेव किया जाता है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अपराध संख्या डालते ही संबंधित साक्ष्य स्क्रीन पर उपलब्ध होगा। मुकदमों के साक्ष्य को ई–साक्ष्य एप पर अपलोड कराया जा रहा है। अभी तक चार सौ से अधिक मुकदमों के साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं।

भिनगा व गुज्जरगौरी की टीम फाइनल में पहुंची

संवाददाता–श्रावस्ती। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 62वीं वाहिनी एसएसबी की ओर से अन्तर समवाय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। शुक्रवार को चार टीमों के बीच सेमी फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें भिनगा व गुज्जरगौरी की टीमों ने सेमी फाइनल जीत कर फाइनल में जगह बनाई। शुक्रवार को सेमी फाइनल का पहला मुकाबला एसएसबी वाहिनी मुख्यालय भिनगा में खेला गया। जिसमें वाहिनी मुख्यालय भिनगा व एसएसबी चौकी सोनपथरी की टीमें आपस में भिड़ीं। इसमें सोनपथरी की टीम को कड़ी टक्कर देते हुए भिनगा मुख्यालय की टीम ने दो–शून्य से जीत दर्ज करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी तरह दूसरा सेमी फाइनल मुकाबला सीमा चौकी तुरुसमा में हुआ। यहां डी समवाय तुरुसमा व एफ गुज्जरगौरी की टीमों के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें डी समवाय तुरुसमा को हरा कर एफ समवाय गुज्जरगौरी ने दो–शून्य से मैच जीत लिया। कमांडेन्ट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने कहा कि अब तक हुए मुकाबले में सेमी फाइनल जीत कर दो टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। सेमी फाइनल विजेता भिनगा व गुज्जरगौरी के बीच फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बल के जवानों में टीम भावना, अनुशासन और खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देना है। यह टूर्नामेंट गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है और सभी समवायों ने इसमें पूर्ण उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

मां गायत्री मूर्ति स्थापना को लेकर निकली कलश यात्रा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के गायत्री चेतना केंद्र में मां गायत्री मूर्ति स्थापना को लेकर कस्बे में कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गायत्री मंदिर से निकलकर पुराने नौतनवा चौराहा, हनुमान चौक, स्टेशन चौराहा, जनता चौक, अस्पताल तिराहा, गांधी चौक होते हुए वापस मां के दरबार में पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं अपने सरों पर गंगाजल भरकर कलश लिए गायत्री मंत्र पढ़ते एवं मां के जयकारे के साथ चल रही थीं। इस दौरान झांकियां आकर्षण का केन्द्र बनी रहीं।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत विद्वान पंडितों द्वारा मां गायत्री की नवीन प्रतिमा का मंत्रोच्चार व पंचामृत से अभिषेक कर विधि विधान से प्रतिमा को विराजित किया गया। मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन में यजमान की भूमिका में संजय श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, मनोज टिबड़ेवाल, सुभाष श्रीवास्तव एवं राहुल शर्मा सपरिवार मौजूद रहे। मंदिर परिसर से ही 8 सौ कलश में गंगाजल भरकर महिलाएं सर पर रख पूरे नगर का भ्रमण किया। साथ में तीन सौ कलश में गंगा जल भरकर गायत्री परिवार के पुरुष भी शामिल रहे। इस दौरान महिलाएं मां के जयकारे व भक्ति गीत व संगीत करती चल रही थी। प्रज्ञा पुराण कथा एवं संगीतमय में शांतिकुंज हरिद्वार से आए शक्ति सिंह युग गायक का आयोजन किया गया। श्रीराम तपस्या आचार्य की टोली नायक ने मां गायत्री मूर्ति स्थापना पर भक्तों को कई संदेश दिए। मुख्य आयोजन में पंकज श्रीवास्तव, राजा वर्मा, सुनील श्रीवास्तव, निर्मल शर्मा, कुमार मलकानी, संजय श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक कुंवर कौशल उर्फ मुन्ना सिंह, नपा अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया, पूर्व अध्यक्ष गुड्डू खान, अंजुला श्रीवास्तव, लक्ष्मी वर्मा, अनीता वर्मा, संगीता वर्मा, सुनीता वर्मा, बिंदू श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

महिला ने सड़क पर किया हंगामा

संवाददाता–महराजगंज। शुक्रवार को अपराह्न एक महिला ईस्टेट चौक पर एक चाय की दुकान के सामने लोगों को अपशब्द बोलते हुए हंगामा करने लगी। मीराबाई निवासी सोनू ने बताया कि नेपाली महिला नशे की हालात में हंगामा करते हुए सिसवा घुघली मुख्य मार्ग पर ऋषिकुल महाविद्यालय के समीप लेट गई। सेनानी नगर निवासी गौरी ने बताया कि मामले को देखते हुए किसी ने मुकामी पुलिस को सूचना दी। चौकी इंचार्ज उमाकांत सरोज महिला कांस्टेबल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रही महिला को पुलिस चौकी ले गई जहां वह बहुत देर तक सोई रही। चौकी इंचार्ज के अनुसार, जगने के बाद महिला ने बताया कि उसकी टोली रायपुर में रुकी है। उसे महिला कांस्टेबल के साथ उसके परिजनों के पास भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश सिंह के मुताबिक, महिला ने हंगामा किया था। उसकी स्थिति का पता नहीं चल पा रहा है कि वह नशे में है या मानसिक रोगी है, महिला को अस्पताल भेजा जा रहा है।

उपकेंद्रों पर लगेगा शिविर, मातृ वंदन योजना का मिलेगा लाभ

संवाददाता–महराजगंज। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चलने वाली प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के लिए स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर शिविर लगाया जाएगा। इसमें लाभार्थियों का चयन कर उन्हें लाभ दिलाए जाने की प्रक्रिया में लाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग से बाल विकास परियोजना के हवाले हुई इस योजना की रफ्तार के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी ने स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत लाभार्थी महिला को पांच हजार रुपये दिए जाते हैं। पहली किस्त में एक हजार रुपये दिए जाते हैं। इसें किसी भी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर 150 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। दूसरी किस्त के रूप में दो हजार रुपये दिए जाते हैं। इसमें कम से कम एक प्रसव पूर्व जांच जरूरी है। तीसरी किस्त दो हजार रुपये दिए जाते हैं। इसमें शिशु जन्म का पंजीकरण व टीकाकरण होने के बाद लाभ दिया जाता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना पहले स्वास्थ्य विभाग की एएनएम, आशा द्वारा क्रियान्वित किया जाता था। लेकिन अब बाल विकास परियोजना विभाग के हवाले कर दिया गया है। अब बीते वर्ष से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को लाभार्थियों का चयन कर उन्हें लाभ दिलाने की जिम्मेदारी दी गई है।

इस योजना में अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके इसके लिए अब स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर निर्धारित तिथियों में शिविर लगाया जाएगा।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगने वाले हर माह के दिवस एक, नौ, 16 व 24 तारीख को विशेष शिविर भी लगेगा। इस तिथि को सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, सहायिकाएं उपस्थित रहेंगी। इसमें अधिक से अधिक लाभार्थियों का पंजीकरण कराकर लाभ दिलाएंगी। दुर्गेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिलाए जाने के लिए अब उपकेंद्रों पर निर्धारित तिथि को विशेष शिविर लगेगा। जहां सभी कार्यकर्त्रियां, सहायिकाएं मौजूद रहकर लाभार्थियों का चयन करेंगी।

फार्मर रजिस्ट्री में खतौनी बनी मुसीबत सम्मान निधि पर संकट के बादल

संवाददाता–महराजगंज। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री में खतौनी बड़ी बाधा बनकर उभरी है। अधिकांश भूस्वामियों का नाम खतौनी के मुख्य कॉलम की बजाय आदेश कॉलम में दर्ज होने के कारण उनका नाम पोर्टल पर स्वीकार नहीं हो रहा है। इससे हजारों किसानों की रजिस्ट्री अधर में लटकी हुई है, जिससे वे योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। जिले में किसानों की संख्या 5 लाख 29 हजार 226 है। इसमें से अभी तक 28 फीसदी यानी 1 लाख 50 हजार 859 किसानों का ही फार्मर रजिस्ट्री हो पाई है। फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल आनलाइन खतौनी से केवल उन्हीं किसानों के नाम स्वीकार कर रहा है, जिनका नाम खतौनी के मुख्य कॉलम में दर्ज है। खतौनी के आदेश कॉलम में जिन भूस्वामियों का नाम है, ऐसे बड़ी संख्या में किसान पोर्टल पर पंजीकरण कराने में असमर्थ हैं, जिससे उनकी पीएम किसान सम्मान निधि की राशि अटक सकती है। इस समस्या के कारण महराजगंज जिले की रैंकिंग में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

पिछले सात दिनों में जिले की फार्मर रजिस्ट्री रैंकिंग में गिरावट आई है और वर्तमान में जिला प्रदेश में 22वें स्थान पर पहुंच गया है। जिले में कुल 5,29,226 पीएम किसान लाभार्थियों में से अब तक केवल 28 फीसदी यानी 1,50,859 किसानों की ही फार्मर रजिस्ट्री हो पाई है। रैंकिंग में महराजगंज से आगे केवल सिद्धार्थनगर है, जो 19वें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, पड़ोसी जिलों की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। कुशीनगर 40वें, देवरिया 45वें और गोरखपुर 72वें स्थान पर हैं।

सदर तहसील क्षेत्र के परसा खुर्द गांव किसान हरिहर तिवारी का कहना है कि खतौनी में नाम सुधार के लिए उन्हें कई बार राजस्व विभाग के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। प्रशासन की धीमी कार्यप्रणाली और तकनीकी अड़चनों के चलते रजिस्ट्री में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

एसडीएम सदर रमेश कुमार का कहना है कि खतौनी में नाम की त्रुटियों को दूर करने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर सदर तहसील के कक्ष संख्या 11 में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। जो किसान किसान प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र सिंगल विंडो में जमा कर रहे हैं, खतौनी में उनके नाम की त्रुटियों को जांच–पड़ताल के बाद दुरुस्त कराया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री को लेकर प्रशासन समाधान का प्रयास कर रहा है।

दवा विक्रेता कल्याण समिति ने किया रक्तदान

संवाददाता–गोण्डा। दवा विक्रेता कल्याण समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को एससीपीएम अस्पताल के ब्लडबैंक में रक्तदान किया। संगठन के महामंत्री संजय कुमार गोयल ने बताया कि संगठन के 50वें वर्ष उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा ओएन पांडेय रहे। इस दौरान अरुण कुमार शुक्ला, अध्यक्ष जयसिंह पांडेय, उपाध्यक्ष संजय मनीरामका, मंडल अध्यक्ष हरी राम, हरदेव गुप्ता, मोहम्मद अतहर, गोबिंद मिश्रा, सूरज उपाध्याय, संतोष मोदनवाल, मयंक जोशी आदि रहे।

12 बोरी भारतीय जन उर्वरक, बाइक सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल के सीमावर्ती थानों को तस्करी के रोकथाम का सख्त निर्देश दिया गया है। क्षेत्र के आराजी सरकार उर्फ बैरिहवा गांव के पास से बाइक पर लदी जन उर्वरक खाद सहित आरोपी को पकड़कर अग्रिम कार्रवाई के लिए नौतनवा कस्टम को सौंप दिया है। प्रभारी निरीक्षक नौतनवां धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली कि आराजी सरकार उर्फ बैरिहवा गांव के पगडंडी से भारत से नेपाल कुछ लोग खाद ले जा रहे हैं। सूचना पर अमल करते हुए मौके पर जाकर देखा गया तो तीन बाइक पर 12 बोरी भारतीय जन उर्वरक खाद व 03 आरोपी पकड़े गए। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम साहनी निवासी सरकार उर्फ बैरिहवा, अजय कुमार निवासी सुंडी और खुर्शीद अहमद निवासी हरदीडाली बताया।

शोपीस बनीं लिफ्ट, छह मंजिला बिल्डिंग में रैंप से ढोए जा रहे मरीज

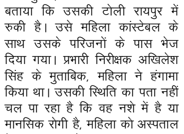

संवाददाता–बहराइच। मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं के नाम पर लाखों करोड़ों खर्च होने के बाद भी जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते जन सुविधाएं बेपटरी हैं। आलम यह है कि मरीजों व तीमारदारों की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्टें चल नहीं रही है लेकिन इसके बारे में कोई पूछने वाला नहीं है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के इस लापरवाही का दंश प्रतिदिन हजारों मरीज व तीमारदारों को उठाना पड़ रहा है। ऐसी लापरवाही तब है, जब महिला विंग में गर्भवती, प्रसूताओं व अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित महिलाओं को भर्ती किया जाता है। वहीं सर्जरी विभाग में गंभीर मरीज भर्ती किए जाते हैं। लापरवाही के चलते मरीजों को व्हीलचेयर पर ले जाना मजबूरी हो गया है। 100 बेड के महिला विंग में प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक महिलाओं की डिलवरी व ऑपरेशन होता है। ऐसे में महिलाओं व उनके तीमारदारों को आने–जाने में कोई असुविधा न हो इसके लिए शासन की ओर से कई लाख खर्च कर दो लिफ्ट लगाई गई हैं। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते लिफ्ट अधिकांश बंद ही रहती हैं। आलम यह है कि बीते कई दिनों से लिफ्ट न चलने के कारण लॉबी का इस्तेमाल मरीजों के तीमारदार सोने के लिए कर रहे हैं। चार मंजिला सर्जरी विभाग के न्यू बिल्डिंग में भी गंभीर मरीजों की सुविधा के लिए दो लिफ्टें लगी हैं लेकिन वर्तमान में यह भी संचालित नहीं है। आलम यह है कि लिफ्टों के सामने बेड रखकर इसे बंद किया गया है। वहीं लिफ्ट खराब होने से मरीज व तीमारदार सीढ़ियों व रैंप का प्रयोग करने को विवश हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता चौहान ने 11 नवंबर 2024 को मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान महिला विंग में लिफ्ट का संचालन ठप मिला था। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। गर्भवती महिलाओं व प्रसूताओं के परेशानी का हवाला देते हुए प्राचार्य डॉ. संजय खत्री को ऑपरेटर की तैनाती कर संचालन को निर्देशित किया था।

पोखरी में मछली पकड़ रहे व्यक्ति की मौत

संवाददाता–महराजगंज। क्षेत्र के जयश्री निवासी एक व्यक्ति पोखरी में मछली पकड़ने गया था। जहां अचेत होकर गिर गया। लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, जयश्री गांव निवासी बुनेल (50) हरदी गांव स्थित एक पोखरी पर जाल लेकर मछली पकड़ने गया था। इस दौरान उसकी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बुनेल की आर्थिक हालात ठीक नहीं थी। वह मछली पकड़कर बाजार में बेचकर परिवार का भरण पोषण करता था। बुनेल की मौत के बाद परिजनों का बुरा हाल है।

अपार आईडी में शिथिलता को लेकर 179 प्रधानाध्यापकों को चेतावनी

संवाददाता–महराजगंज। परिषदीय, मान्यता प्राप्त, मदरसा तथा सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों की अपार आईडी जनरेट किया जाना अनिवार्य है। यह कार्य विद्यालय स्तर से होना है। बीईओ ने शत–प्रतिशत बच्चों की अपार आईडी जनरेट करने के लिए समस्त परिषदीय, मान्यता प्राप्त, मदरसों एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया, जबकि 179 विद्यालयों में बच्चों के अपार आईडी का कार्य अभी तक शुरू ही नहीं हुआ है। इनके प्रधानाध्यापकों को चेतावनी दी गई है। बीईओ लक्ष्मीपुर पिंगल प्रसाद राणा ने शिक्षकों को कठोर चेतावनी देते हुए 2 दिन में यह कार्य पूर्ण करने का समय दिया है। दो दिन में यू डायस प्लस में टीचर मॉड्यूल, प्रोफाइल एवं फैसिलिटी, स्टूडेंट्स प्रोफाइल एवं टीचर्स प्रोफाइल का कार्य पूर्ण करते हुए सभी बच्चों की अपार आईडी हर हाल में जनरेट करने का निर्देश दिये हैं। ऐसा न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

ब्लाक में कक्षा 1 से 8 तक के परिषदीय, मान्यता प्राप्त व मदरसा के कुल 286 विद्यालय संचालित हैं।

माफिया और डकैतों को बड़े पद देती थी सपा, हम उन्हें जहन्नुम भेजते हैं -सीएम योगी

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के मिल्कीपुर के हैरिंग्टनगंज ब्लॉक में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी जैसे ही मंच पर पहुंचे जय श्रीराम के नारे लगे। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण का प्रारंभ महाकुंभ का जिक्र कर किया। कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली है कि यह महाकुंभ 144 साल बाद हो रहा है। दो दिन पहले यूपी सरकार की पूरी कैबिनेट और मैंने खुद महाकुंभ में स्नान का सौभाग्य प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी तरफ सपा के लोग महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इन लोगों ने एक साल पहले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भी विरोध किया था। ये वही सपा के लोग हैं जिन्होंने सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मिल्कीपुर में विकास की उपलब्धियों को आगे पहुंचाना है। इसके लिए जरूरी है कि यहां के सपूत चंद्रभानु पासवान को जिताकर भेजें जिससे विकास का लाभ जन–जन को मिले। कुमारगंज का कृषि विश्वविद्यालय आचार्य नरेंद्र देव जी के नाम पर है और एक और विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भी इस इलाके का नाम हैरिंगटनगंज है। यहां का नाम किसी स्वामी रामदेव के नाम पर या फिर विष्णु नगर क्यों नहीं हो सकता है। हम गुलामी की मानसिकता लेकर कब तक आगे बढ़ते रहेंगे। हम तो राम की परंपरा पर विश्वास करने वाले हैं। हम कृष्ण की परंपरा पर विश्वास करने वाले हैं। हम बाबा विश्वनाथ और में सरयू मैया पर विश्वास करने वाले लोग हैं। सपा का वश चलता तो अयोध्या नाम को भी खत्म कर दिया जाता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने से पहले जनसभा स्थल पर प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, चिकित्सा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी धर्मेंद्र सिंह मंच पर पहुंच गए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार में कानून का राज स्थापित हुआ है। लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। व्यापारी सुरक्षित महसूस करते हैं। सपा की सरकार में बेटियां सड़क पर नहीं निकल सकती थीं। व्यापारियों को लूट लिया जाता था। लोगों की संपत्ति पर भूमाफिया कब्जा कर लेते थे और जो जितना बड़ा डकैत उसे उतना बड़ा ओहदा दिया जाता था पर अब माफियाओं को जहन्नुम भेजा जा रहा है। अयोध्या का विकास हो रहा है। आज अयोध्या के लोग दुनिया में कहीं पर भी जाते हैं तो उनका सम्मान किया जाता है। सपा की सरकार में राम की पैड़ी पर जल सड़ता रहता था पर अब लाखों लोग आकर वहां पर डुबकी लगा रहे हैं। अयोध्या को पुराना गौरव प्राप्त हो रहा है।

अधिसूचना जारी होने के बाद योगी की विधानसभा क्षेत्र में यह पहली सभा है। बृहस्पतिवार को प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर व जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रैली स्थल का निरीक्षण किया। दोनों मंत्रियों ने टेंट, पार्किंग, लोगों के बैठने की व्यवस्था, आवागमन मार्ग, पेयजल, हेलीपैड, मंच की साज सज्जा को भी परखा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि उपचुनाव में लगे सभी प्रभारी मंत्री लगातार मंडल व शक्ति केंद्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। हर बूथ से जनसभा में सहभागिता का प्रयास किया जा रहा है। जलशक्ति मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की सभा को ऐतिहासिक बनाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पूरे विधानसभा क्षेत्र की जनता में विशेष उत्साह है। उन्हें देखने और सुनने के लिए भीड़ उमड़ेगी। इससे पहले आठ जनवरी को इसी मैदान पर सीएम की जनसभा प्रस्तावित थी लेकिन आचार संहिता लागू हो जाने से इसे निरस्त कर दिया गया था। इससे क्षेत्र की जनता मायूस हो गई थी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शुक्रवार को आ रहे हैं। इस जनसभा में पूरे विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ से कार्यकर्ता और आम जनता का समागम होगा। यहां से उपचुनाव के लिए बड़ा संदेश जाएगा और बड़े अंतर से भाजपा की जीत सुनिश्चित होगी।

ममेरे भाइयों की गला रेत कर हत्या, मुंह में ठूंसा था कपड़ा, शरीर पर नहीं थे वस्त्र

संवाददाता–गोरखपुर। दो दलित किशोरों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई है। सहजनवां के भक्सा गांव के दोनों किशोरों की गला रेतकर हत्या के बाद शव को खेत में फेंक दिया गया। दोनों शव नग्न अवस्था में आपस में ही बंधे हुए थे। एक का दोनों हाथ और पैर तो दूसरे का सिर्फ दोनों हाथ बांधने के साथ ही उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा था। इस तरह से दो किशोरों की हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों रिश्ते में ममेरे भाई लगते थे। गुरुवार की शाम को घर से निकले थे। सूचना पर पहुंची सहजनवां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। दोनों बच्चों की इस कदर बेरहमी से हत्या क्यों की गई है यह अभी सामने नहीं आ पाई है।

भक्सा गांव निवासी इंद्रेश का पुत्र अभिषेक (14) अपने फुफेरे भाई चिलुआताल थाना क्षेत्र के नवापार निवासी प्रिंस कुमार (12) के साथ गुरुवार की शाम को साइकिल से गांव के सीवान की तरफ निकला था। देर शाम जब दोनों घर नहीं लौटे तो परेशान परिवारीजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। रात में उनकी साइकिल सिवान में मिली पर दोनों नहीं दिखे। घरवालों ने उनके गायब होने की सूचना पुलिस को दी और सोशल मीडिया के माध्यम से खुद भी तलाश करने में जुट गए। शुक्रवार को दोपहर में गांव के पश्चिम सिवान में सरसों के खेत में अभिषेक और प्रिंस की कुछ दूरी पर लाश मिली।

दोनों का गला रेता गया था। हत्या से पहले उन्हीं का कपड़ा निकाल कर बांध गया था। हत्यारों ने अभिषेक के दोनों हाथ और पैर को बांधा था तो वहीं प्रिंस के दोनों हाथ को बांधा था। दोनों शोर न मचा पाएं इसके लिए उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। मौके पर संघर्ष के भी निशान मिले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्यारों से खुद को बचाने के लिए अभिषेक ने काफी संघर्ष भी किया है। हत्या की सूचना पर एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर, एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव और सीओ कैंपियरगंज आदि फोरेंसिक व डॉग स्क्वाड टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। एसएसपी ने पीड़ित परिवार से बात कर जल्द ही खुलासे का भरोसा दिया।

अभिषेक कुमार दो भाई और दो बहनों में बड़ा था। उसके पिता दिल्ली कारपेंटर का काम करते हैं। वह पीपीगंज थाना क्षेत्र के साखी ग्राम सभा टोला माथाबारी में पांचवीं कक्षा में पढ़ता था। अभिषेक के चाचा सफाईकर्मी हैं। वहीं प्रिंस दो भाई और एक बहन में बड़ा था। उसके पिता मजदूरी करते हैं।

भक्सा गांव से बाहर से संतकबीरनगर जाने वाले रोड की तरफ गांव के सिवान में करीब तीन किमी दूर खेत में दोनों की लाश मिली है। खेत में मौजूद बिजली के पोल में बांध कर गला काटने की आशंका है उसके बाद उन्हें बदमाशों से छोड़ा तो वह वहां 100 मीटर दूर तक भागते हुए गए। दोनों शव एक दूसरे से 10 मीटर की दूरी पर मिला। वहीं उनकी साइकिल गांव से दो किमी की दूरी पर मिला। अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या के बाद साइकिल को गांव की तरफ लाकर रास्ते में छोड़कर आरोपित फरार हो गए हैं।

स्थापना दिवस पर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्वरूप पर चर्चा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर स्थित बुद्ध विद्यापीठ पीजी कालेज के रवींद्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक क्लब और एनसीसी की ओर से उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्वरूप पर चर्चा की गई। प्राचार्य प्रो. अभय कुमार श्रीवास्तव ने प्रदेश के स्थापना पर प्रकाश डालते हुए आज तक की प्रगति से छात्रों को अवगत कराया। एनसीसी अधिकारी दीपक देव तिवारी ने प्रदेश की स्थापना पर विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में महाजनपद काल के महाजनपदों और गणराज्यों से लेकर अंग्रेजों के समय के संयुक्त प्रांत से छात्रों को अवगत कराया। प्रदेश के विकास को लेकर और छात्रों में नागरिक कर्तव्य की भावना बढ़ाने के लिए महाविद्यालय के छात्रों ने परिसर में स्वच्छता का कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस अवसर पर एनसीसी अंडर आफिसर मो. अरमान, शिखा शर्मा, बलिराम लोदी, अशोक कुमार राजभर, सरस्वती सोनी आदि छात्रों के साथ प्रो. भारत भूषण द्विवेदी, गिरजेश चंद्र मिश्र, विनोद वर्मा आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

मदरसों में कामिल, फाजिल के विद्यार्थियों की परीक्षा पर रोक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मदरसा शिक्षा बोर्ड ने जिले के मदरसों में कामिल, फाजिल की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों की परीक्षा पर रोक लगा दी है। रोक का आदेश ऐसे समय जारी हुआ है, जब परीक्षा के लिए आवेदन ऑनलाइन कराए जा रहे थे। रोक के बाद कामिल और फाजिल के जिले में विद्यार्थी अब परीक्षा नहीं दे पाएंगे। आगे अब कामिल और फाजिल का पठन–पाठन भी मदरसों में नहीं हो सकेगा। मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार ने आदेश जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि अब न तो इन कक्षाओं की पढ़ाई होगी और न ही परीक्षाएं होंगी। अभी कामिल और फाजिल के विद्यार्थियों को किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध भी नहीं किया गया है। जनपद में 581 मान्यता प्राप्त और 16 सहायता प्राप्त मदरसे संचालित हैं, जिनमें आदेश लागू कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड द्वारा कामिल और फाजिल जैसी उच्च शिक्षा की परीक्षाएं आयोजित कराने के बाद पास होने पर छात्रों को उच्च शिक्षा की डिग्री दी जाती थी। पांच नवंबर 2024 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त मदरसे कामिल, फाजिल जैसी उच्च शिक्षा की डिग्री नहीं दे सकते। यह यूजीसी अधिनियम के विपरीत और असंवैधानिक है। कोर्ट का फैसला आने के दो माह बाद मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार ने 16 जनवरी को पढ़ाई और परीक्षा न कराने का आदेश जारी किया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय ने बताया कि मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार का पत्र आया है। इसमें उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन कराने को कहा गया है। जिले के सभी मदरसों को पत्र भेजा गया है। मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसे अब न तो कामिल, फाजिल की पढ़ाई करा सकते हैं और न ही परीक्षाएं आयोजित करा पाएंगे।

दिव्यांगों में वितरित किया ई ट्राई रिक्शा व कंबल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज स्थित सपा कार्यालय पर विधायक सैयदा ने खातून निजी व्यवस्था के जरिए दिव्यांगों में ई ट्राई रिक्शा व कंबल वितरित किया। पूर्व विधायक स्व. तौफीक अहमद की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में छ लोगों को ट्राई रिक्शा व करीब सौ लोगों में कंबल वितरित किया गया। ई–ट्राई रिक्शा व कंबल वितरण के दौरान विधायक सैयदा खातून ने कहा कि उनके पिता स्व. तौफीक अहमद का नाता गरीब परिवारों से विशेष रूप से रहा है। वह हमेशा गरीबों मजलूमों के लिए संघर्ष किया करते थे, उनका असामयिक निधन हो जाना समाज के लिए अपूर्णनीय क्षति है। ऐसे में उनके पुण्यतिथि पर इस तरह से जरूरतमंदो की मदद से सुकून मिलता है। विधायक ने बताया कि एक ट्राई रिक्शे पर करीब 95 हजार रुपए खर्च हुआ है, जो निधि से नहीं बल्कि निजी व्यवस्था के जरिये किया गया है

लापरवाही पर प्रधानाध्यापक निलंबित

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बीएसए अमित कुमार सिंह ने कंपोजिट विद्यालय बूढ़ी बेलहर के प्रभारी प्रधानाध्यापक राम सुरेश चौधरी को वित्तीय अनियमितता और अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया। निलंबन के साथ ही उन्हें प्राथमिक विद्यालय मैनहवा से संबद्ध करते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित किया है। बीएसए ने यह कार्रवाई बुधवार को खुद की जांच के बाद की। उक्त शिक्षक के विरुद्ध पूर्व में खंड शिक्षाधिकारी ने भी कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था।

बीएसए अमित कुमार सिंह ने बताया कि 22 जनवरी को उन्होंने कंपोजिट विद्यालय बूढ़ी बेलहर का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक राम सुरेश चौधरी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। विद्यालय में नामांकित 259 छात्रों के सापेक्ष 17 छात्रों का अपार आईडी नहीं बनी मिली। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग द्वारा भेजे गए विभिन्न मदों की धनराशि के संबंध में कैशबुक, पीपीए पंजिका, कार्यवाही पत्रावली, मस्टर रोल, स्टाक बुक एवं एसएमसी रजिस्टर जांच के लिए मांगा गया। लेकिन प्रभारी प्रधानाध्यापक ने सिर्फ स्टाक बुक एवं चेक इशू पंजिका प्रस्तुत की। इसमें भी प्रविष्टियां का अंकन नियम संगत नहीं किया गया था। बीएसए ने बताया कि अन्य मद में आई धनराशि के व्यय के संबंध में जानकारी लेने के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक राम सुरेश चौधरी ने कर्मचारी आचरण नियमावली के अनुकूल व्यवहार नहीं किया। साथ में गए फोर्थ क्लास कर्मचारी प्रवीण कुमार पांडेय के हाथ से अभिलेख छीन लिए। उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसकी लिखित शिकायत प्रवीण ने किया है। मध्याह्न भोजन योजना के अभिलेख भी ठीक नहीं मिले। अग्निशमन यन्त्र भी ठीक नहीं मिला। समेकित शिक्षा के तहत क्रय की गई किट भी मानक के अनुरूप नहीं मिली। स्पोर्ट ग्रांट का धन खर्च होने के बाद भी न तो अभिलेख मिले और न ही सामान ही मिले। वालपेंटिंग के तहत कोई कार्य नहीं कराया गया। कंपोजिट ग्रांट में भी अनियमितता की पुष्टि हुई।

बीएसए ने बताया कि पूर्व में खंड शिक्षाधिकारी ने भी उक्त शिक्षक पर कर्मचारी आचरण नियमावली का अनुपालन न करने सहित विभिन्न आरोप लगाते हुए कार्रवाई के लिए पत्र भेजा था। बीएसए ने कहा कि शिक्षक राम सुरेश चौधरी लगातार कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन करते मिले हैं। ऐसे में उन्हें निलंबित करते हुए खंड शिक्षाधिकारी हैंसर, नाथनगर और बघौली की तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित किया गया है। कमेटी की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुबह से शयन आरती तक 14 घंटे खुला रहा राम मंदिर सिर्फ 20 मिनट के लिए पट हुए बंद, तीन लाख ने किए दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में सरयू की लहरों के समानांतर ही आस्था की लहरें भी उमड़ रही हैं। शुक्रवार को रामनगरी श्रद्धालुओं से गुलजार रही। अनुमान से ज्यादा भीड़ उमड़ी तो यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई। आलम यह रहा है गलियों में जाम लगा रहा। भीड़ नियंत्रण के लिए कई रास्ते भी प्रशासन को बंद करने पड़े। अयोध्या उमड़े श्रद्धालुओं में रामलला के दर पर माथा टेकने की ललक दिखी। इसके चलते राम मंदिर सुबह से लेकर शयन आरती तक 14 घंटे खुला रहा। रामनगरी में निरंतर श्रद्धालुओं का ज्वार उमड़ रहा है। रामपथ से लेकर राम जन्मभूमि पथ व भक्तिपथ पर आस्था का सूर्य आलोकित हो रहा है। प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भी रामनगरी में मेले जैसा माहौल रहा। श्रीराम अस्पताल तिराहे से लेकर प्रमोदवन तिराहे तक रामपथ श्रद्धालुओं की भीड़ से पटा रहा। आलम यह रहा कि रामपथ की एक लेन पर चार पहिया वाहनों का आवागमन रोकना पड़ा। डायवर्जन के चलते गलियों में जाम की स्थिति बनी रही। रायगंज, तपस्वी छावनी मार्ग, रामघाट चौराहे पर जाम की स्थिति रही। टेढ़ीबाजार ओवर ब्रिज के पास भी बैरियर लगाकर चार पहिया वाहनों को रोका गया। वहीं प्रयागराज से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं की भीड़ राम मंदिर में उमड़ रही है। पिछले तीन दिनों में राम मंदिर में पांच लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन–पूजन कर चुके हैं। शुक्रवार को भी श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। जन्मभूमि पथ पर लगे सुरक्षाकर्मी श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के प्रयास में पूरे दिन जुटे रहे। राम मंदिर में सुबह 6ः30 बजे खुला तो रात 9ः15 बजे तक 14 घंटे से अधिक समय तक खुला ही रहा। दोपहर भोग आरती के दौरान केवल 20 मिनट के लिए मंदिर का पट बंद किया गया लेकिन दर्शन नहीं रोका गया। जिन श्रद्धालुओं को व्हीलचेयर चाहिए था उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा, तब जाकर उन्हें व्हीलचेयर मिल सका। राम मंदिर में वीआईपी दर्शन की भी होड़ रही। इसके चलते वीआईपी दर्शन के सभी स्लॉट सुबह नौ बजे ही फुल हो गए। वीआईपी दर्शन का स्लॉट सुबह सात बजे से शुरू होकर रात नौ बजे तक रहता है। दो–दो घंटे के स्लॉट में वीआईपी दर्शन कराए जाते हैं। आरती पास तो बीती रात ही फुल हो गए थे। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन की ओर से राम मंदिर के निकासी मार्ग पर एक लेन बढ़ा दी गई है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि परकोटा से लेकर अंगद टीला तक 10 फीट चौड़ी एक लेन नई बनाई गई है ताकि श्रद्धालुओं की निकासी सुगमता पूर्वक हो सके। उन्होंने बताया कि रोजाना डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु राम मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। सुरक्षा के लिए एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी के जवान लगाए गए हैं। एसएसएफ व सिक्योरिटी एजेंसी के भी जवान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा का ख्याल रख रहे हैं।

प्रधानाचार्य की कुर्सी पर बैठकर छात्रा प्रतिमा हुई गौरवान्वित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज पचमोहन में कक्षा 11 की छात्रा प्रतिमा प्रजापति को एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनाया गया। इस दौरान छात्रा को प्रधानाचार्य के दायित्वों और अधिकारों की जानकारी दी गयी। एक दिन के बनी प्रधानाचार्य प्रतिमा प्रजापति ने कहा कि एक जिम्मेदार पद की कुर्सी पर बैठकर कार्य एवं दायित्व के बारे में बोध हुआ। पद पर रहते हुए कई प्रकार की चुनौतियों के साथ ही अध्यापकों के साथ समन्वय स्थापित करने की भी कोशिश करती पड़ती है। जीआईसी के प्रधानाचार्य करुणाकांत ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। जिले में भी जिलाधिकारी की ओर से बालिकाओं को आगे आकर समाज के लिए कुछ कर गुजरने की दिशा में आए दिन होनहार छात्राओं से उद्घाटन, शिलान्यास कार्यक्रम निश्चय ही आने वाले समय में एक नजीर बनकर रहेगा। इस मौके पर कॉलेज के समस्त शिक्षक, कर्मी भी उपस्थित थे।

कोहरे से साथ सुबह से पड़ रही गलन भरी ठंड

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शुक्रवार को भोर से ही कोहरे के साथ गलन भरी ठंड ने लोगों को परेशान कर दिया। गलन भरी ठंड से लोग ठिठुरते रहे। न घर में राहत मिली न बाहर। अलाव व ब्लोअर के सहारे लोगों ने ठंड से बचाव किया। सड़कों पर आवाजाही कम रही। वे लोग ही बाहर आए जिन्हें स्कूल व दफ्तर जाना था। ठंड के चलते धूप न निकलने से न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री दर्ज किया गया। जिले में पिछले चार दिन से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शुक्रवार को भी सुबह के समय सूर्य भगवान के दर्शन नहीं हुए। भोर से ही घना कोहरा व बदली छायी रहा। इसके चलते वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। इसी के साथ चल रही सर्द हवाओं के चलने से हो रही गलन से लोग परेशान रहे। स्थिति यह रही कि लोग घरों में ठिठुरते रहे। बचाव के लिए आग के सहारे बैठे रहे। शुक्रवार को न्यूनतम 10 डिग्री दर्ज किया गया।

हत्याभियुक्त की जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता–गोरखपुर। हत्या के आरोप में जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी ने गोला थाना क्षेत्र के धौरहरा निवासी आरोपित रामेश्वर दूबे व ग्राम अहिरौली निवासी आरोपित रविंद्र यादव उर्फ पवन यादव की जमानत अर्जी अपराध की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दी है। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता प्रियानंद सिंह का कहना था कि वादिनी गुड़िया दूबे के गांव के ग्राम प्रधान रामेश्वर दूबे एक अपराधी प्रवृति के व्यक्ति है और अपने परिवार के सदस्यों और लक्ष्मीकांत दूबे व सोनू दूबे के माध्यम से अपराध करवाते है। वादिनी के परिवार से यह लोग रंजिश रखते है और वादिनी के ससुर इन लोगों के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कराया है। 13 दिसंबर 2024 को सुबह करीब 6:30 बजे वादिनी अपने ससुर झिनकू दूबे के साथ न्यायालय में बयान देने जा रही थी।

जानीपुर देवकली के पास पेट्रोल पंप के पहले चारपहिया वाहन से तारकेश्वर दूबे, परमेश्वर दूबे दो अज्ञात के साथ आए और वादिनी और उसके ससुर को रोक लिए। आरोपितों ने वादिनी के ससुर को अपने हाथ में लिए लोहे की रॉड लाठी डंडा व हाकी से जान मारने की नियत से बुरी तरह मारने लगे। जिससे ससुर की मौत हो गई थी।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद वाद सं0 78/2003
दधिबल आदि
बनाम
रामउग्र आदि
4/1 रामबेलास उम्र लगभग 55 साल पुत्र स्व0 झकड़ी साकिन खुटहना पोस्ट हथियागढ़ तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–02–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 20 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 181/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती चन्द्रावती गुप्ता
बनाम
सेन्ट जेम्स चर्च बस्ती आदि
1. सेन्ट जेम्स चर्च बस्ती (जो चर्च एक्ट 1927 के अन्तर्गत ट्रस्टी मे निहित) स्वामी इण्डियन चर्च ट्रस्टी 51 चौरंगी रोड कलकत्ता द्वारा सेक्रेटरी लखनऊ डायसिस ट्रस्ट एसोसिएशन 6 सरोजनी नायडू मार्ग इलाहाबाद प्रयागराज उ0प्र0
तारीख पेशी 18–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 819/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
चुन्नूलाल
बनाम
राममिलन आदि
1. राममिलन पुत्र सालिकराम 2. सूर्य नरायन पुत्र राममिलन साकिनान मौजा असनाहरा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 07–03–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 169/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामसागर
बनाम
त्रिभुवन आदि
2. नन्दलाल पुत्र सन्तबली
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
4. राम उजागिर पुत्र बन्दे
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
निवासीगण मौजा दुदराक्ष तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती
तारीख पेशी 27–03–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com